CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust

श्रीगणेशायनमः । जटाकटाहसम्भ्रमभ्रमन्निलिम्पनिर्झरीविलोलवीचिवल्लरीविराजमानमूर्धनि ।
धगद्धगद्धगज्ज्वलल्ललाटपट्टपावके किशोरचन्द्रशेखरे रतिः प्रतिक्षणं मम ॥१॥ धराधरेन्द्रन
न्दिनीविलासबन्धुबन्धुरस्फुरद्दिगन्तसन्ततिप्रमोदमानमानसे । कृपाकटाक्षधोरणी निरुद्धदुर्धरापदि
क्वचिद्विगम्बरे मनोविनोदमेतुवस्तुनि ॥२॥ जटाभुजङ्गपिङ्गलस्फुरत्फणामणिप्रभा
कदम्बकुङ्कुमद्रवप्रलिप्तदिग्वधूमुखे । मदान्धसिन्धुरस्फुरत्त्वगुत्तरीयमेदुरे मनोविनोदम
द्भुतं बिभर्तुभूतभर्तरि ॥३॥ ललाटचत्वरज्वलद्धनञ्जयस्फुलिङ्गनिपीतपञ्चसायकं नमन्नि
लिम्पनायकम् । सुधामयूखरेखयाविराजमानशेखरं महाकपालिसम्पदे शिरोजटालमस्तुनः ॥४॥ सहस्रलोचनप्रभृत्यशेषलेखशेखरप्रसूनधूलिधोरणीविधूस्रराङ्घ्रिपीठभू
कः । भुजङ्गराजमालयानिबद्धजाटजूटकश्रियैचिराय जायतांचकोरबन्धुशेखरः ॥५॥ क
रालभालपट्टिकाधगद्धगज्ज्वलद्धनञ्जयाहुतीकृतप्रचण्डपञ्चसायकेधराधरेन्द्रनन्दि

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust

नीकृचासपत्रचिक्कप्रकस्यनेककिस्यिनिस्लोचनेरतिर्मम॥ ६॥ नवीनमेघमण्डली निरूद्ध दुर्दरस्फुरत्कुहूनिशीथिनीतमःप्रबन्धबद्धकन्धरः॥ निलिम्पनिर्झरीधरस्तनोतुवस्तुसन्ततिं वरंकलानिधानबन्धुरश्रियंजगद्धुरन्धरः॥ ७॥ प्रपुष्पनीलपङ्कजप्रपञ्चकालिमप्रभा विलम्बिकण्ठकन्दलीरुचिप्रबन्धकन्धरम्॥ स्मरच्छिदम्पुरच्छिदन्धकच्छिदन्तकच्छिदं तमक्षिछिदम्भवच्छिदन्तमन्तकच्छिदम्भजे॥ ८॥ अखर्वसर्वमङ्गलाकलाकदम्बमञ्जरी रसप्रवाहमाधुरीविजृम्भणामधुव्रतम्॥ स्मरन्तकम्पुरान्तकम्भवान्तकम्मखान्तकम्गजान्तकान्धकान्तकन्तमन्तकान्तकम्भजे॥ ९॥ जयत्पदत्रविभ्रमद्भुजङ्गमश्वसद्विनिर्गमक्रमस्फुरत्क रालभालहव्यवाट्॥ धिमिद्धिमिद्धिमिद्धिमिध्वनन्मृदङ्गतुङ्गमङ्गलध्वनिक्रमप्रवर्तितप्र वरण्डताण्डवशिवः॥ १०॥ दृषद्विचित्रतल्पयोर्भुजङ्गमौक्तिकस्रजोर्गरिष्ठरत्नलोष्टयोस्सु हृद्विपक्षपक्षयोः॥ तृणारविन्दचक्षुषोःप्रजामहीमहेन्द्रयोस्समप्रवर्तिकादृशिवम्भजाम्यहम्॥ ११॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust

कहानिलिम्पनिर्झरी निकुञ्जकोटरेवसन्विमुक्तदुर्मतिस्सदा शिवंस्वमञ्जलिंवहन् ॥ विलोलनो
ललोचनावलोभमानलम्भकंशिवेतिमन्त्रमुच्चरन्नसरासुखीभवाम्यहम् ॥ १४ ॥ ननोतुनोमनोमु
दंविनोदिनीमहर्निशम्परश्रियःपरम्पदन्नदंकजत्विषान्वयः ॥ निलिम्पनाथभाकरीकदम्ब
मौलिमल्लिकानिगुम्फनिर्झरक्षरन्मधूष्णिकामनोहरः ॥ १५ ॥ प्रचण्डवाडवानलप्रभाशुभप
्रचारिणोमहाष्टसिद्धिकामिनीजनावतारजन्मनम् ॥ विमुक्तवामलोचनाविवाहकालिकध्वनिं शिवेति
मन्त्रभूषणंजगज्जयायजायताम् ॥ १६ ॥ ॐ ॥ इतिदशाननकृतशिवतांडवस्तवः ॥ॐ ॥०॥
शिवपूजाहमन्त्ररहस्यमेतदुक्तं शिवस्यकेविजानतेदशाननप्रकाशितम् । अत्रपद्यगद्यरूपिणी
होक्तिचन्नसंस्कृताहिन्दीकृतिस्मतेस्तदघक्षम्यताम् ॥ ॥ बिन्दुकुंजभूतलेवसन्नोगशीर्षके।
गङ्गोपकण्ठेश्रीकाशीमध्येदेवलिंगियम् ॥ शिव ॥ तत्व ॥ शिव ॥ तत्व ॥ शिव ॥

Kashi Maharani Collection, Ramnagar Fort, Varanasi